लोकमत समाचार

सकारात्मक हो कर्मियों की मानसिकता

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग संस्थान की 47वीं वर्षगांठ समारोह में डॉ. एस.के. चौधरी ने रखी बात

लोकमत समाचार सेवा

दीप प्रज्जवलन करते डॉ. चौधरी, डॉ. पाटिल व अन्य अतिथि.

नागपुर : देश में अनुंसधान की एक अग्रणी संस्थान के रुप में आगे आने के लिए सभी कर्मचारियों की मानसिकता सकारात्मक और वैज्ञानिकों को मेहनती होना चाहिए ताकि संस्थान की योजनाएं और नीतियां जमीनी स्तर तक पहुंचें और आम लोगों को इसका लाभ हो.

यह बातें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के उप महानिदेशक डॉ. एस.के. चौधरी ने कही. वे नागपुर के अमरावती रोड स्थित नेशनल ब्यूरो ऑफ सॉइल सर्वे एंड लैंड यूज प्लानिंग- एनबीएसएसएलयूपी-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि संयोजन संस्था की 47वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे.

इस अवसर पर महाराष्ट्र पशुचिकित्सा एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय एमएएफएसयू के कुलपति डॉ. नितिन पाटिल, गढ़चिरोली के पुलिस उप महानिरीक्षक संदीप पाटिल, कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड के सदस्य डॉ. बी.एस. द्विवेदी विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित थे.

पुलिस बल का भी मिलेगा सहयोग

गढ़चिरोली के पुलिस उप महानिरीक्षक संदीप पाटिल ने कहा कि गढ़चिरोली में फिलहाल खनन चल रहा है. वहां सीएसआर फंड का उपयोग किया जा रहा है. यदि राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि समन्वय संस्थान के माध्यम से गढ़चिरोली की मिट्टी की गुणवत्ता के संबंध में कोई योजना नीतियां होती हैं तो गढ़चिरोली पुलिस बल इसमें सहयोग करेगा. डॉ. बी.एस. द्विवेदी ने किसानों के लिए मृदा संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए एकीकृत मृदा सूचना प्रणाली पर जोर दिया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ.डी. दास ने किया.

किसानों को मिलेगी उपजाऊ मिट्टी की जानकारी

एनबीएसएसएलयूपी नागपुर के संचालक डॉ. एन.जी. पाटिल ने कहा कि संस्था डिजिटल स्वॉइल मैपिंग तकनीक का उपयोग करके किसान कम समय में कृषि के लिए उपजाऊ मिट्टी के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार है. नेशनल स्वॉइल ग्रिड की स्थापना करने का प्रयास किया जा रहा है. देश में मिट्टी की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जा रहा है.